Course code	Pali Epic Literature, Paper –I, (Core Course 10A)	L	T	P	C
BBUPA20Y201	पालि काव्य साहित्य, प्रश्न पत्र –1	3	2	0	5
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
		50 Marks			

Course Objectives:

- पालि काव्य के इतिहास की समग्र और व्यापक जानकारी प्रदान करना।
- छात्रों में पालि साहित्य के प्रति रुचि जाग्रत करना।
- पालि काव्य के अभ्यास की प्रवृत्ति विकसित करना।
- भाषा में कुशलता एवं दक्षता विकसित करना।

Course Outcome:

- पालि काव्य की विशेषताओं का ज्ञान होना।
- पालि भाषा की सूक्ष्मता का पता चलना।
- पालि काव्य साहित्य के इतिहास और परम्परा का ज्ञान होना।
- पालि की विभिन्न कोटियों की समझ विकसित होना।

Student Learning Outcomes (SLO):

- छात्रों में भाषा कौशल का विकास होना।
- छात्रों में भाषा के अनुकूलन की सोच विकसित होना।
- साहित्य के अभ्यास के लिए नूतन तकनीकों एवं प्रयोगों का विकास होना।
- विषयगत समस्याओं का निदान करने की क्षमता का विकास होना।

Unit-I	20

पालि काव्य साहित्य

- वर्णनात्मक काव्य
- आख्यानात्मक काव्य
- पत्र काव्य–सद्धम्मोपायन

Unit -2	15

- पज्जमधु–मूल मात्र

Unit-3	12

- तेलकटाहगाथा–मूल मात्र

Unit-4	10

- जिनचरित– पूर्वार्द्ध

Unit-5	18

- जिनचरित– उत्तरार्द्ध

# Mode: Flipped Class Room, Case Discussion, Lectures			

Text/Reference Books

- पालि भाषा और साहित्य का इतिहास – डॉ. भागचन्द्र जैन भास्कर, जगतगुरु रामानन्दाचार्य सं. विश्वविद्यालय, जयपुर, 2015
- पालि साहित्य का इतिहास –महापण्डित राहुल सांकृत्यायन, हिन्दी समिति, सूचना विभाग, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 1963
- पालि साहित्य का इतिहास – डॉ. कोमलचन्द्र जैन, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1987
- जिनचरित– वनरतन मेधंकर – सम्पादक : सिद्धार्थ सिंह, पिलग्रिम्स पब्लिशिंग, 2007 वाराणसी।
- तेलकटाहगाथा – आचार्य भदन्त कल्याणिय थेर, अनुवाद : भिक्षु धर्म रक्षित, सम्यक प्रकाशन, नई दिल्ली, 2007।
- सद्धम्मोपायन – आचार्य भदन्त आनन्द महाथेर।

Course code	Pali Katha Sahitya, Paper –II, (Core Course 10B)	L	T	P	C
BBUPA20Y202	पालि कथा साहित्य, प्रश्न पत्र –2	3	2	0	5
Pre-requisite	Nil	Syllabus version			
		50 Marks			

Course Objectives:

- कथा साहित्य की आवश्यक जानकारी प्रदान करना।
- छात्रों में पालि कथाओं के अध्ययन के प्रति रुचि जाग्रत करना।
- पालि भाषा के अभ्यास की प्रवृत्ति विकसित करना।
- पालि भाषा में लेखन कुशलता एवं दक्षता विकसित करना।

Course Outcome:

- पालि भाषा की विशेषताओं का ज्ञान होना।
- पालि भाषा में दक्षता और उसकी सूक्ष्मता का पता चलना।
- पालि साहित्य की कथा परम्परा का ज्ञान होना।
- पालि साहित्य की विभिन्न कोटियों की समझ विकसित होना।

Student Learning Outcomes (SLO):

- पालि में लेखन कौशल का विकास होना।
- पालि भाषा के अनुकूलन की सोच विकसित होना।
- पालि के सन्दर्भ में नूतन तकनीक, कौशल विधियों एवं प्रयोगों का विकास होना।
- भाषागत समस्याओं का निदान करने की क्षमता का विकास होना।

Unit-I	20
• अट्ठसालिनी–धम्मसंगणी अट्ठकथा की विषय–वस्तु	
Unit -2	**15**
• विसुद्धिमग्ग–निदानकथा मात्र	
Unit-3	**12**
• संमतपासादिका का सारांश मात्र	
Unit-4	**10**
• सुमंगलविलासिनी का विस्तृत परिचय	
Unit-5	**18**
• मनोरथपूरणी–प्रारंभ की दस कथाएं मात्र	

 # Mode: Flipped Class Room, Case Discussion, Lectures

Text/Reference Books

- पालि भाषा और साहित्य का इतिहास – डॉ. भागचन्द्र जैन भास्कर, जगतगुरु रामानन्दाचार्य सं. विश्वविद्यालय, जयपुर, 2015

- पालि साहित्य का इतिहास –महापण्डित राहुल सांकृत्यायन, हिन्दी समिति, सूचना विभाग, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 1963
- पालि महाव्याकरण (मोग्गलान) – लेखक भिक्षु जगदीश काश्यप, महाबोधि सभा, सारनाथ, वाराणसी, 1940 ई.
- सभी मूलग्रन्थ।